दिनांकः 04 अप्रैल, 2024

नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ

प्रेस विज्ञप्ति

वन्य जीवों को गर्मी से बचाने के लिए नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ द्वारा अलग–अलग वन्य जीवों के लिए उनकी आवश्यकता के अनुरूप उपाय किये गये हैं। अनेक वन्य जीवों के बाड़ों में जहॉ अधिक धूप आती है, उनके आस–पास बड़ी संख्या में पेड़–पौधे लगाये गये हैं जिससे कि वहॉ प्राकृतिक रूप से हरियाली रहे एवं वन्य जीवों को गर्मी से निजात मिल सके। मुख्य इंतजाम निम्न प्रकार हैं–

- सर्व प्रथम वन्य जीवों को स्वच्छ पीने के पानी की व्यवस्था सुदृढ़ की गयी है।
- सुबह शाम पीने का ताजा पानी भरकर बाड़ों में वन्यजीवों के पीने के लिए रखा जाता है।
- वन्य जीवों के घरों को प्रतिदिन पानी से धोकर साफ किया जाता है जिससे बाड़ों में ठण्डक भी रहे तथा साफ–सफाई भी बनी रहे।
- हिरणों के लिए बाड़ों में स्प्रिंकलर सिस्टम लगाये गये हैं जिससे ये वन्य जीव ठण्डे पानी का आनन्द ले सकें तथा उनके द्वारा समय–समय पर पानी में भीग कर खुद को ठण्डा रख सकें।
- वन्य जीवों के बाड़ों में गर्मी से बचाव हेतु कूलर लगाये गये हैं। इस हेतु लगभग 25 से अधिक कूलर लगाये गये हैं। निम्न वन्य जीवों के बाड़ों में कूलर लगाये गये हैं–
  - बब्बर शेर, टाइगर, सांपघर, लॉयन टेल मंकी, चिम्पान्जी, व्हाइट टाइगर, मछलीघर, उल्लू घर, वन्य जीव चिकित्सालय के वार्ड में रखे गये वन्य जीवों के लिए इत्यादि।
- वन्य जीवों के बाड़ों को ठण्डा रखने तथा वन्य जीवों को पानी की फुहार द्वारा गर्मी से बचाने हेतु स्प्रिकंलर लगाये गये हैं। निम्न वन्य जीवों के बाड़ों में स्प्रिकंलर लगाये गये हैं–
  - काला हिरण, हॉग डियर, बारासिंघा, बार्किंग डियर, चीतल, चिम्पान्जी, लॉयन टेल मंकी, बब्बर शेर, व्हाइट टाइगर, पक्षियों के बाड़े, फीजेन्टस के बाड़े आदि।

  इन स्प्रिकंलर को दोपहर के समय 11 से 4 बजे के बीच रोटेशन के आधार पर पानी के फव्वारे चलाये जाते है। इससे वन्य जीव एवं पक्षी नहाते हैं तथा उनको गर्मी से निजात मिलती है।
- जिन वन्य जीवों को पानी में बैठकर नहाना पसन्द है एवं इस प्रकार अपने को ठण्डा रखते हैं, उन सभी वन्य जीवों के बाड़ों में पानी के हौद बनाकर उनमें पानी भरा गया है यथा– टाइगर एवं व्हाइट टाइगर, हिमालयन भालू आदि।
- पक्षी एवं फीजेन्टस बाड़े में विभिन्न पक्षियों यथा– काकाटील, गोल्डेन फीजेन्टस, सिल्वर फीजेन्टस, सारस, लोहा सारस, नीले–पीले मकाउ, मोर, सफेद मोर आदि के बाड़ों में पानी की फुहार पैदा कर बाड़ों में और आस–पास के वातावरण को ठण्डा करने के लिए माइक्रो फॉगर लगाये गये हैं। इस प्रकार के माइक्रो फॉगर गत वर्ष लगाना शुरू किये गये थे। गत वर्ष पायलन प्रोजेक्ट के रूप में इसको शुरू किया गया था। इसके अच्छे परिणाम को देखते हुए इस बार इनकी संख्या बढ़ा दी गयी है। इससे न केवल बाड़ा ठण्डा रहता है एवं वन्य जीवों को आराम मिलता है बल्कि आस–पास का वातावरण भी ठण्डा हो जाता है जिससे आने वाले दर्शकों को भी सुकून एवं ठण्डक मिलती है।
- गर्मी एवं लू के थपेड़ों से बचाने के लिए बाड़ों में विशेषकर पक्षी बाड़ों में साइड में चटाई/शीट लगायी गयी है।
- वन्य जीवों के खाने की डाइट में भी परिवर्तन किया गया है।
- वन्य जीवों को जाड़े में दिये जाने वाले अण्डे तथा अन्य गर्म खाद्य पदार्थ बन्द कर दिये गये हैं।
- वन्य जीवों के खाने में ताजे फल, फूल, सब्जी जैसे– खीरा, ककड़ी, हरी पत्तेदार सब्जी, तरबूज आदि की मात्रा बढ़ा दी गयी है।

इसके अतिरिक्त अन्य कोई भी इन्तजाम जो उपयुक्त लगेंगे, उनको भी समय–समय पर किया जायेगा। इन उपायों से वन्य जीवों को न केवल गर्मी से बचाने में मदद मिलेगी बल्कि वन्य जीवों को गर्मी के मौसम में भी यथा सम्भव सुविधाजनक एवं ठण्डा वातावरण उपलब्ध कराया जा सकेगा।

(–ह0–)
(अदिति शर्मा)
निदेशक
नवाब वाजिद अली शाह
प्राणि उद्यान, लखनऊ